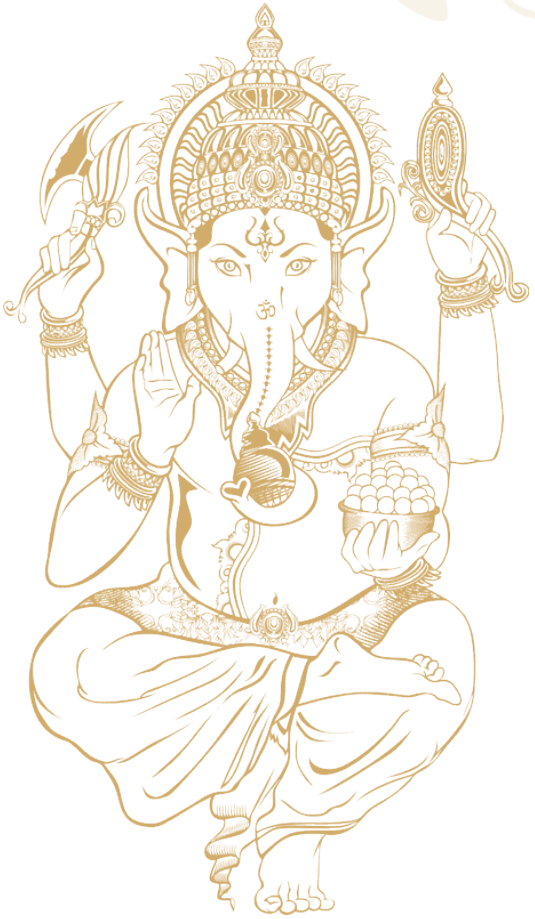

Mr. Mukesh ambani

19 Apr 1957

07:53 PM

Adegaon

Model: web-freekundliweb

Order No: 121167904

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19/04/1957**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**19:53:55 घंटे**
इष्ट	35:12:07 घटी
स्थान	**Adegaon**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	22:37:00 उत्तर
रेखांश	79:32:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:11:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:42:03 घंटे
वेलान्तर	00:00:48 घंटे
साम्पातिक काल	09:31:43 घंटे
सूर्योदय	05:49:04 घंटे
सूर्यास्त	18:33:30 घंटे
दिनमान	12:44:27 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	05:59:32 मेष
लग्न के अंश	24:43:30 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शिव
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भा-भारत
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	24:43:30	318:23:24	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
सूर्य			मेष	05:59:32	00:58:34	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	उच्च राशि
चंद्र			धनु	09:29:19	12:30:34	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
मंगल			वृष	27:17:25	00:37:42	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	सम राशि
बुध			मेष	24:38:32	00:33:11	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	सम राशि
गुरु	व		सिंह	29:51:55	00:05:06	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	मित्र राशि
शुक्र		अ	मेष	07:17:55	01:14:11	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
शनि	व		वृश्चि	20:28:25	00:02:29	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
राहु			तुला	26:32:00	00:01:32	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	मित्र राशि
केतु			मेष	26:32:00	00:01:32	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	मित्र राशि
हर्ष			कर्क	09:38:17	00:00:30	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	---
नेप	व		तुला	08:01:39	00:01:38	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
प्लूटो	व		सिंह	04:45:31	00:00:34	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	---
दशम भाव			कर्क	27:16:08	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:15:51

लग्न-चलित

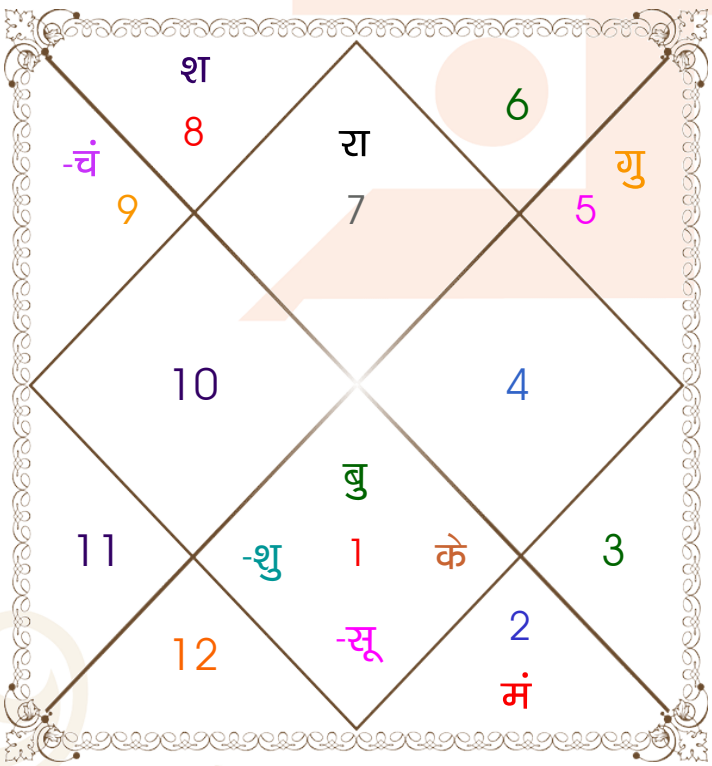

चन्द्र कुंडली

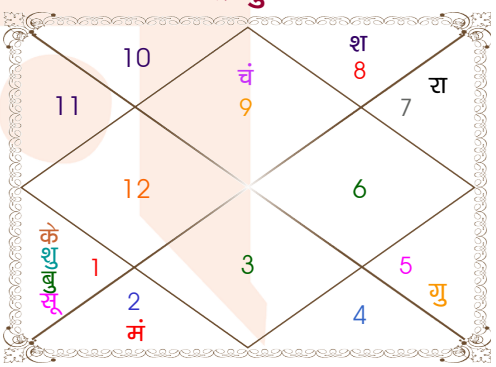

नवमांश कुंडली

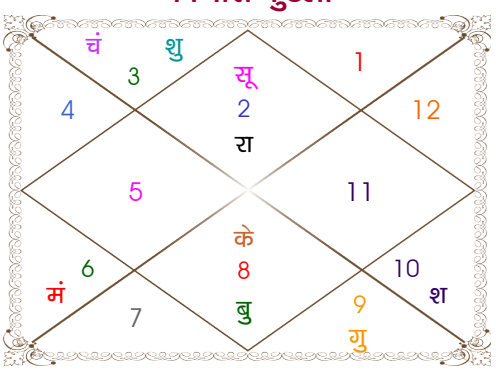

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 0 मास 6 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
19/04/1957		27/04/1959		27/04/1979		26/04/1985		27/04/1995	
27/04/1959		27/04/1979		26/04/1985		27/04/1995		26/04/2002	
	00/00/0000	शुक्र	26/08/1962	सूर्य	14/08/1979	चंद्र	24/02/1986	मंगल	23/09/1995
	00/00/0000	सूर्य	26/08/1963	चंद्र	13/02/1980	मंगल	26/09/1986	राहु	10/10/1996
	00/00/0000	चंद्र	26/04/1965	मंगल	20/06/1980	राहु	26/03/1988	गुरु	16/09/1997
	00/00/0000	मंगल	26/06/1966	राहु	14/05/1981	गुरु	26/07/1989	शनि	26/10/1998
	00/00/0000	राहु	26/06/1969	गुरु	03/03/1982	शनि	25/02/1991	बुध	23/10/1999
	00/00/0000	गुरु	25/02/1972	शनि	13/02/1983	बुध	26/07/1992	केतु	20/03/2000
	19/04/1957	शनि	27/04/1975	बुध	20/12/1983	केतु	24/02/1993	शुक्र	20/05/2001
शनि	29/04/1958	बुध	24/02/1978	केतु	26/04/1984	शुक्र	26/10/1994	सूर्य	25/09/2001
बुध	27/04/1959	केतु	27/04/1979	शुक्र	26/04/1985	सूर्य	27/04/1995	चंद्र	26/04/2002

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
26/04/2002		26/04/2020		26/04/2036		27/04/2055		26/04/2072	
26/04/2020		26/04/2036		27/04/2055		26/04/2072		00/00/0000	
राहु	07/01/2005	गुरु	14/06/2022	शनि	30/04/2039	बुध	22/09/2057	केतु	22/09/2072
गुरु	02/06/2007	शनि	25/12/2024	बुध	07/01/2042	केतु	19/09/2058	शुक्र	22/11/2073
शनि	08/04/2010	बुध	02/04/2027	केतु	16/02/2043	शुक्र	20/07/2061	सूर्य	30/03/2074
बुध	25/10/2012	केतु	08/03/2028	शुक्र	17/04/2046	सूर्य	27/05/2062	चंद्र	29/10/2074
केतु	13/11/2013	शुक्र	07/11/2030	सूर्य	30/03/2047	चंद्र	26/10/2063	मंगल	27/03/2075
शुक्र	13/11/2016	सूर्य	26/08/2031	चंद्र	29/10/2048	मंगल	22/10/2064	राहु	14/04/2076
सूर्य	07/10/2017	चंद्र	25/12/2032	मंगल	07/12/2049	राहु	12/05/2067	गुरु	21/03/2077
चंद्र	08/04/2019	मंगल	01/12/2033	राहु	13/10/2052	गुरु	17/08/2069	शनि	19/04/2077
मंगल	26/04/2020	राहु	26/04/2036	गुरु	27/04/2055	शनि	26/04/2072		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 0 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।